सांध्य दैनिक

क्राईम स्टोरी

देहरादून, बुधवार 06 दिसम्बर 2017 (RNI No. UTTHIN/2009/30725) वर्ष 9, अंक 101 पृष्ठ 8 1.00 रूपये

गैर हुआ गैरसैंण!

अमित सूरी

ऋषिकेश। गैरसैंण में कल से होने जा रहे शीतकालीन बजट सत्र को लेकर राज्यवासियों की नजर उस पर टिकी हुई है और यह देखा जा रहा है कि क्या इस सत्र में उत्तराखण्ड की जनता के लिए कोई सौगात होगी या फिर हर बार की तरह गैरसैंण में होने वाला सत्र सिर्फनाममात्र के लिए ही रह जायेगा। हैरानी वाली बात है कि जब गैरसैंण में उतनी व्यवस्था ही नहीं है जितनी की विधानसभा सत्र के लिए होनी चाहिए तो फिर करोडो रूपये खर्च कर क्यों वहां सत्र आयोजित कराने के लिए सरकार आगे आई है। आधी अधूरी तैयारियों के बीच गैरसैंण में आयोजित होने वाले सत्र से आवाम के बीच क्या संदेश जायेगा इसको लेकर अब सबकी निगाहें उसी पर टिकी हुई हैं।

उत्तराखण्ड की अस्थाई राजधानी में होने जा रहे शीतकालीन विधान सभा सत्र की कल सात दिसम्बर से शुरुआत होने जा रही है किन्तु अभी तक व्यवस्थाएं पूरी नही की का सकीं हैं। यद्यपि चमोली गढ़वाल के जिलाधिकारी आशीष जोशी सहित विधान सभा सचिव जगदीश चन्द्र प्रशासन के अधिकारियों सहित भराड़ी सैंण में ही कैम्प किये हुए हैं।दूसरी ओर गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाये जाने और मद्यपान निषेध विभाग की पुन:स्थापना सहित रोजगार के मौलिक अधिकार की त्रिसूत्रीय मांगों को लेकर आन्दोलन कर रहे आन्दोलनकारी भी गैरसैंण में जुटने लगे हैंजो कि कल से गैरसैण राम लीला मैदान में अनशन करेंगे।आन्दोलन के प्रमुख प्रवीण सिंह का कहना है कि माँगो के पूरा होने तक अनशन कर आन्दोलनजारी रहेगा।अनशन आन्दोलन में ऋषिकेश से भाग लेने पहुँचे पर्यावरण और सामाजिक आन्दोलनकारी विनोद जुगलान से दूरभाष पर सम्पर्क साधे जाने पर उन्होंने बताया कल से सत्र की शुरुआत होने जा रही है लेकिन सदन के हालात ये हैं कि अभी तक तैयारियों के लिए लाए गए मैट और सामान अभी तक खोला भी नहीँ गया है ।अभी तक अस्थाई राजधानी होने का परिणाम ये है कि सत्र की शुरुआत के लिए आई महिला कर्मचारियों के लिए सचल शौचालय सहित बेरिकेटिंग भी हरिद्वार ऋषिकेश से ट्रैक्टर और ट्रक द्वारा मंगाए जा रहे हैं ।जनआंदोलन से सहमी सरकार ने भराड़ीसैण से लेकर गैरसैण को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है।श्री जुगलान का कहना है कि आमजनता अपने बच्चों की शादी विवाह हेतु भी दोनों परिवारों का एक जगह पण्डाल लगा कर पैसे की बचत करते हैं ताकि खर्च आधा हो सके दोनों पक्षो के लोग एक ही जगह एकत्र होकर धन का सदुपयोग कर सकें,लेकिन दो दो जगह सत्र और सदन की व्यवस्था करके सरकार जनता पर आर्थिक बोझ बनाना चाहती जो कि विवेकपूर्ण नही है।उन्होंने एक राज्य, एक राजधानी की माँग करते हुए गैरसैंण को राजधानी बनाने की माँग करते हुए कहा कि जो नेतागण गाँवों को गोदलेकर विकास की बात करते हैं उन्हें चाहिए कि वे गांवों की गोद में आकर रहें तभी उत्तराखण्ड राज्य का विकास होगा।इस अवसर पर आन्दोलनकारी प्रवीण सिंह, राम कृष्ण तिवारी, आदेश चौधरी,

अरविन्द हटवाल, अमित चमोली, गणेश सिंह रावत,ब्रह्मा नन्द,ए एस चौहान,दीपक कुमार,कुँवर सिंह पंवार,राजन सिंह शाह,कुन्दन सिंह बिष्ट आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लिया अक्षय कुमार से पंगा, पैडमैन के साथ रिलीज करेंगे अपनी फिल्म

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा आखिरी बार फिल्म अ जेंटलमैन में नजर आए थे. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था, लेकिन अब वह एक बार फिर अपनी अगली फिल्म के साथ तैयार हैं. हाल ही में सिद्धार्थ ने अपनी इस फिल्म का मेकिंग वीडियो शेयर किया है और वीडियो को देख कर लग रहा है कि यह फिल्म हिट होने वाली है. सिद्धार्थ की इस फिल्म का नाम अय्यारी है.

बता दें, यह फिल्म अगले साल 26 जनवरी को रिलीज होगी. बता दें, इस दिन पहले अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म 2.0 रिलीज होने वाली थी और इस वजह से पहले इस फिल्म को 9 फरवरी को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब उस फिल्म की रिलीज एक बार फिर से टल गई है जिस वजह से इस फिल्म के मेकर्स ने फिल्म को 26 जनवरी के मौके पर रिलीज करने का फैसला किया.

बता दें, अक्षय कुमार की फिल्म पैडमैन भी 26 जनवरी को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म में अक्षय के साथ सोनम कपूर और राधिका आप्टे मुख्य भूमिका में हैं, लेकिन दोनों ही फिल्मों की कहानी एक दूसरे से काफी अलग है इस वजह से उम्मीद है कि दोनों फिल्मों को अपनी-अपनी टारगेट ऑडियन्स मिल जाएगी. वहीं आपको यह भी बता दें कि सिद्धार्थ की इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे ने किया है.

इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के अलावा मनोज बाजपेयी, नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, रकूल प्रीत और पूजा चोपड़ा जैसे कलाकारों ने काम किया है. गौरतलब है कि नीरज पांडे ने इससे पहले अ वेडनेसडे, रुस्तम, एम एस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी और नाम शबाना जैसी फिल्में बनाई हैं।

क्रिश 4 में नवाजुद्दीन, रितिक से लेते दिख सकते हैं पंगा

अगले साल ऐक्टर रितिक रोशन की कई दिलचस्प और रोमांचक फिल्में आने वाली हैं, जिनमें उनकी हिट फ्रैन्चाइज क्रिश 4 सबसे अहम है। हालांकि अगले साल के अंत तक ही इस सुपरहीरो फिल्म के फ्लोर पर आने की उम्मीद है। ऐसे फिल्म के सभी अहम रोल की कास्टिंग लगभग तय होने की चर्चा आजकल बॉलिवुड में गर्म है। इस बारे में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, नवाजुद्दीन सिद्दीकी को क्रिश 4 में विलन के रोल के लिए चुना लिया गया है। हालांकि ऐसा भी सुनने में आ रहा है कि इस बार मेकर्स की ओर से फिल्म में कुछ नया ट्विस्ट लाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। जिसके लिए क्रिश के नए दुश्मन उसे नए तरीकों से शारीरिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते दिखाई देंगे।

बहरहाल, इसके लिए नवाज से अच्छी कोई चॉइस हो भी नहीं सकती है, जो अपने खास ऐक्टिंग से ऐसे अजीबोगरीब किरदार में भी एक नई जान फूंकने में माहिर हैं। इससे पहले भी फिल्म किक में निभाए अपने विलन के रोल के लिए उन्हें काफी सराहा गया था। हालांकि अभी तक ऐक्टर की ओर से इस ऑफर को एक तय समय-सीमा के अंदर स्वीकार करना बाकी है, इसलिए अभी कुछ भी तय नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा क्रिश 4 की टीम अपनी नई लीड ऐक्ट्रेस की तलाश भी कर रही है, तो यह सभी बॉलिवुड हसीनाएं सुन रही हैं न...

टोटल धमाल में रितेश का जल्वा

2018 में कई धमाकेदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन्हीं फिल्मों में से एक है इंद्र कुमार की हिट कॉमिडी सीरीज धमाल की अगली फिल्म टोटल धमाल है। फिल्म में अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, अजय देवगन के बाद अब रितेश देशमुख भी फाइनल हो चुके हैं। जी हां, रितेश देशमुख धमाल और डबल धमाल में भी अहम किरदारों में थे। लिहाजा, पिछली फिल्मों से सिर्फ रितेश ही इस कॉमिडी सीच्ल में भी दिखेंगे। जबकि संजय दत्त वाले किरदार में अजय देवगन को फाइनल किया गया है। फिल्म की शूटिंग 15 दिसंबर के बाद लखनऊ में शुरू की जा सकती है। जबकि रिलीज के लिए दिवाली 2018 सोचा जा रहा है।

हालांकि अभी तक रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रोमांस की बात पर निर्देशक ने कहा, यह एक कॉमिडी फिल्म है...लिहाजा, धक धक जैसा रोमांस तो नहीं होगा, लेकिन यहां टोटल धमाल होगा। अनिल- माधुरी के साथ एक साथ काम करना ख्वाब जैसा है। निर्देशक ने कहा, मैंने कुछ महीने पहले माधुरी दीक्षित को अप्रोच किया था फिर उन्होंने स्क्रिप्ट पढ़ी और उन्हें भी पसंद आई। इंद्र कुमार ने उसी समय कहा कि मैं फिल्म को अगले साल दिवाली पर रिलीज करना चाहता हूं। वैसे फाइनल रिलीज डेट तो हमारे प्रड्यूसर ही तय करेंगे।

मुझे धारावाहिक में काम करने की जरूरत नहीं:गौहर खान

मॉडलिंग से यात्रा शुरू कर कई म्यूजिक वीडियो, रियलिटी शो और फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री गौहर खान का कहना है कि उन्हें धारावाहिकों में काम की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि बॉलीवुड ने उन्हें स्वीकार कर लिया है। गौहर ने कहा कि

लोग उनका असल पक्ष देखना चाहते हैं और इसलिए वह 'झलक दिखला जा 3' और 'बिग बॉस 7' जैसे रियलिटी शो में काम करना पसंद करती हैं। गौहर ने कहा, ''मुझे बॉलीवुड में स्वीकार कर लिया गया है। मेरी यात्रा की सबसे अच्छी बात यह है कि मुझे लगातार प्यार मिल रहा है, आप जानते हैं, इसलिए ऐसा लगता है कि लोग मुझमें रियलिटी देखना चाहते हैं।'' इस बीच, वह लगातार मॉडलिंग जारी रखे हुई हैं। हाल ही में वह टीवी चैनल रोमेडी नाओ के लवडॉट लाफडॉटलाइव कलेक्शन के लिए रैंप पर चलीं। डिजाइनर केन फर्न के सहयोग से आयोजित इंडिया बीच फैशन वीक 2017 में भी वह देखी गईं। गौहर (34) ने यशराज की फिल्म्स 'रॉकेट सिंह : सेल्समेन ऑफ द ईयर' में भी काम किया है। उनका मानना है कि लोग उनके साथ जुड़ सकते हैं और यह उनके लिए 'सबसे बड़ी जीत' है। उन्होंने कहा, ''जब लोग मुझे उससे जोड़ते हैं, जो मैं हूं और सभी उम्र की महिलाएं और लड़कियां मेरे पास आती हैं, कहती हैं मैं उनके लिए प्रेरणा हूं। यही मेरे जीवन का लक्ष्य है। मैं यही चाहती हूं। मैं सकारात्मक तरीके से लोगों को प्रभावित करना चाहती हं, इसलिए मुझे लगता है कि अगर रियलिटी टेलीविजन है, तो इसमें काम करना चाहिए।''

मणिकर्णिका की शूटिंग के दौरान कंगना रनौत के पैर में गहरी चोट

कंगना रनौत के घायल होने की खबर है। कहा जा रहा है कि फिल्म मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी के स्टंट सीन के दौरान कंगना के साथ यह हादसा हुआ है। बताया गया है कि इस स्टंट सीन के दौरान कंगना के पैर में काफी चोट आई है। फिलहाल कंगना वील चेयर पर हैं।

दरअसल कंगना जोधपुर के मेहरानगढ़ किला में फिल्म की फिल्म के उस सीक्वेंस की शूटिंग कर रही थीं जब रानी लक्ष्मीबाई ने अपने बेटे दामोदर राव को पीठ से बांधकर 40 फीट ऊंची दीवार से घोड़े की पीठ पर छलांग लगा दी थी। कंगना इसी सीन की शूटिंग कर रही थीं, जो सही तरीके से हो न सकी। बच्चे को बचाने के चक्कर में कंगना का पैर घायल हो गया। एक्स-रे रिपोर्ट में लिगामेंट मुड़ने की बात कही गई है। फिलहाल डॉक्टरों ने उन्हें एक वीक आराम करने की सलाह दी है। हालांकि अच्छी बात यह है कि इस शूटिंग का काम पूरा हो गया है और अब आगे का शेड्यूल दिसम्बर का है।

बता दें कि कंगना इससे पहले भी इस फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो चुकी हैं, जब वह तलवारबाजी वाला सीक्वेंस शूट कर रही थीं। हालांकि, डायरेक्टर ने उन्हें इसके लिए बॉडी डबल के इस्तेमाल की सलाह दी थी, लेकिन कंगना ने यह सीक्वेंस खुद ही करने का फैसला किया था और तलवार उनके सिर में लग गई थी। बता दें कि कंगना यह सीक्वेंस अपने को-स्टार निहार पांडया के साथ कर रही थीं। कंगना की यह फिल्म मणिकर्णिका रानी लक्ष्मीबाई की जिंदगी पर आधारित है, जो अगले साल 27 अप्रैल को रिलीज़ होनी है।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
बुधवार, 06 दिसम्बर 2017

किसी काम का नहीं है मोदी सरकार का स्वच्छ भारत मिशन: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदूषण प्रभावित दिल्ली का मुद्दा एक बार फिर उठाते हुए कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का महत्वाकांक्षी ष्स्वच्छ भारत मिशनष् किसी काम का नहीं है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा था कि हाल में दिल्ली में खेल रहे श्रीलंकाई क्रिकेटरों के चेहरे पर मास्क देखकर उन्होंने ष्शर्मष् महसूस हुई। उन्होंने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार से कहा था कि वह शहर में प्रदूषण रोकने के लिए कदम उठाए। ममता ने यहां एक कार्यक्रम में कहाए ष्स्वच्छ मिशन से क्या भला हुआ है घ् दिल्ली में श्रीलंकाई खिलाड़ी मास्क लगाकर खेल रहे हैं ।

तीर्थनगरी मे होटल व्यवसाय पर मंदी की जबरदस्त मार

▶▶शहर के तमाम होटलों मे पसरा हुआ है सन्नाटा ▶▶वर्ष बीतने के बावजूद नोटबंदी से उबर नही पा रहे होटल व्यवसायी

ऋषिकेश अमित सूरी-अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश मे होटलों पर मंदी की मार छा गई है।होटल इंड्रस्टीज मे छाये सन्नाटे के चलते व्यवसाय से जुड़े लेकर लोगों के दिलों की धड़कनें बड़ने लगी हैं। नोटबंदी के एक वर्ष गुजर जाने के बावजूद होटल व्यवसाय पटरी पर नही आ पाया है।विश्व भर मे तीर्थाटन एवं पर्यटन के लिए अपनी खास पहचान रखने वाले ऋषिकेश की ही बात करें हो होटल व्यवसायी यहाँ जबरदस्त मंदी के दौर से जूझ रहे हैं।शहर के तमाम आलीशान होटलों मे 3० से 4० फीसदी तक दी जा रही छूट के बावजूद पर्यटक आर्कषित नही हो पा रहे हैं जिसकी वजह से होटलों के कमरे खाली पड़े हैं।उल्लेखनीय यह भी है कि नोटबंदी से पूर्व तक विंटर के मौसम के आगाज के साथ ही पर्यटकों की जबरदस्त आमद के साथ होटल व्यवसाय खिल उठता था ।खासतौर पर नवम्बर-दिसम्बर मे विदेशी सैलानियों के साथ साथ पड़ोसी राज्य हिमाचल ,उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों से पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ उमड़ा करती थी लेकिन इस वर्ष तस्वीर बिल्कुल जुदा जुदा सी है नगर के अधिकांश होटलों मे सन्नाटा पसरा हुआ है।आलम यह है कि होटलों के लाखों रूपये महीने के खर्च निकालना ही होटल व्यवसायियों के लिए भारी हो रखा है।मंदी से परेशान कुछ होटलों मे भी खर्च को सीमित करने के लिए कर्मचारियों की छटनी भी की जा रही है।इन सबके बीच बड़ा सवाल यही है कि होटल व्यवसाय के मंदे का दौर ओर कितना लम्बा खिचेगा।

न्यू ईयर मे भी होटल व्यवसाय को नही मिलेगी आक्सीजन

ऋषिकेश। होटल व्यवसाय को इस वर्ष क्रिसमस व न्यू ईयर पर भी नही मिलेगी व्यवसायिक आक्सीजन। शहर के तमाम प्रमुख होटलों मे छाई जबरदस्त मंदी के चलते इस वर्ष न्यू ईयर पर होने वाले कार्यक्रमों की फिलहाल अब तक कोई सूचना नही है। इसे पर्यटन कारोबार पर छाई मंदी के रूप मे देखा जा रहा है। होटल अमेरिस के डायरेक्टर अक्षत गोयल ने बताया कि मौसम सुहावना है और पर्यटकों के माकूल भी है लेकिन सैलानियों के बिना होटल वीरान पड़े है। बकोल युवा होटल व्यवसायी अक्षत गोयल के अनुसार व्यवसायिक मंदी के चलते टूटती आस की वजह से ही शहर के होटलो मे न्यू ईयर ईव पर होने वाले कार्यक्रम आयोजित नही किए जा रहे हैं।

नगर पालिका क्षेत्र बना पार्किंग स्थल,उपभोक्ता परेशान

ऋषिकेश। ऋषिकेश नगर पालिका क्षेत्र पार्किंग स्थल के रुप मे तब्दील होता जा रहा है।लोगों के लिए नगर पालिका प्रांगण गाड़ी पार्किंग के लिए महफूज स्थान बनकर उभरा है।दिनभर पालिका के खेल मेदान मे इर्द गिर्द दर्जनों गाड़ियों का जमावड़ा लगा हुआ देखा जा सकता है।इससे कई मर्तबा लोगों को आवागमन मे दुश्वारियों का सामना भी करना पड़ता है।बावजूद इसके पालिका प्रशासन इस और ध्यान नही दे रहा।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश मे पार्किंग की समस्या धीरे धीरे विकराल रूप लेने लगी है।पार्किंग की समस्या से जूझ रहे लोगों ने अब शहर पालिका प्रांगण को ही ठिकाना बनाना शुरु कर दिया ।इनमे व्यवायिक एवं नीजी वाहन सभी शामिल हैं।गौरतलब यह है कि नगर पालिका के भीतर ही विभिन्न विभागों के दफ्तर भी हैं ,जिन्में दिनभर उपभोक्ताओं की आवाजाही लगी रहती है।लेकिन अनेकों गाड़ियों के आड़े तिरछे और इधर उधर पार्क कर दिए जाने की वजह से अक्सर आवागमन मे उपभोक्ताओं को दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं।दिलचस्प यह भी है कि नीजि वाहन की चाहत मे लोग गाड़ियां खरीद तो लेते हैं लेकिन घरों मे पार्किंग की व्यवस्था न होने की वजह से वह भी धीरे धीरे नगर पालिका मे ही अपनी गाड़ी पार्क करने लगे हैं।इनमें ज्यादातर पालिका के समीपस्थ क्षेत्र मे रहने वाले लोग शामिल हैं।विडम्बना यह भी है कि तीर्थ नगरी मे पार्किंग की समस्या के विकराल रुप लेने के बावजूद स्थानीय प्रशासन इस समस्या की और ध्यान देने को तैयार नही है जिसकी वजह से समस्या का निराकरण नही हो.पा रहा है।

संविधान रचियता डा अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्वांजलि की अर्पित

ऋषिकेश। देश के संविधान रचियता भारत रत्न डा भीम राव अम्बेडकर के 62 वीं पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्वांजलि अर्पित की।

बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित श्रद्वांजलि सभा मे अम्बेडकर चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।कार्यक्रम मे बोलते हुए भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि भारत रत्न डा अंबेडकर ने समता मूलक समाज की स्थापना के उद्देश्य से जीवन पृयत्न कार्य किया।उन्होंने सबको साथ ले कर संविधान की रचना की। संविधान का अध्याय समाज को जोड़ता है। सभी को वोट का अधिकार भी संविधान की देन है। महिलाओं को अधिकार भी संविधान ने दिलाया। पहले 21वर्ष वोट देने की थी लेकिन अब 18 साल है। यह भी संविधान की देंन है।

उन्होंने कहा कि समता के अभाव की बात करने वाले डॉ अम्बेडकर के सपनो का भारत निर्माण करने का संकल्प लेना ही सही मायनों मे उनके प्रति सच्ची श्रद्वांजलि होगा।भाजपा मंडल अध्यक्ष चेतन शर्मा की अध्यक्षता व महामंत्री पंकज शर्मा के संचालन मे चले कार्यक्रम मे अनिता ममगईं, ,सरोज डीमरी, स्नेहलता शर्मा,अनिता तिवाड़ी, राजेश गौतम,विवेक गोस्वामी, मोनिका गर्ग,ज्योति नेगी,अजय गुप्ता, कपिल गुप्ता, नेहा नेगी,राजू नरसिम्हा, देवव्रत शर्मा, विशाल खैरवार, राजीव चौधरी, नरेंद्र गौतम आदि उपस्थित थे। उधर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रदेश महासचिव जयपाल जाटव के नेतृत्व मे आयोजित कार्यक्रम मे बाबा साहेब को नमन किया।अम्बेडकर चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्वांजलि अर्पित की गई।मौके पर सुनील गोस्वामी, जतिन जाटव,जोगेंद्र प्रजापति, विनय दूबे,ओमप्रकाश, आशीष ,कालीचरण, राजाभाऊ शास्त्री,अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

नगर निगम परिसीमन को लेकर कांग्रेस का धरना 7 दिसम्बर को

देहरादून। महानगर कांग्रेस महासचिव महेश जोशी ने राज्य की भाजपा सरकार पर याआरोप लगाया है कि राज्य सरकार अविवेकपूर्ण निर्णय ले रही है जिसका हरजाना जनता को भुगतना पड़ रहा है।राज्य सरकार द्वारा नगरों का परिसीमन जल्दबाजी में लिया गया अविवेकपूर्ण निर्णय है जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ेगा। अभी नगर निगम साठ वार्ड सम्भाल नही पा रही है। नगर निगम मूलभत सुविधाएं में नाकामयाब साबित हुई है। और राज्य सरकार ने गांवों को भी नगर निगम में शामिल करके दोहरी मार जनता पर की है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार गाँवो का अस्तित्व खत्म करना चाहती है।इसलिए वो गाँवो का शहरीकरण करना चाहती है ।अच्छा होता नगर निगम के मुलभूत ढांचे में सुधार करके सभी जनप्रतिनिधियो की राय लेकर सार्थक प्रयास करती।उन्होंने कहा इस में जनप्रतिनिधियो पार्षद पंचायत सदस्य विधायक की अनदेखी की गई है। अच्छा होता परिसीमन के लिये पहले एक कमेटी का गठन करके सभी के विचार लिए जाते तब जा करके परिसीमन की प्रक्रिया शुरू की जाती। इन सबको लेकर जनता मे काफी रोष है और आंदोलन को विवश है। इन सब बातों को लेकर कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता कल 7 दिसम्बर प्रात: 11 बजे गांधी पार्क में सरकार के खिलाफमे धरना देगी जिसमे महानगर के प्रत्येक वार्ड से कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सम्पादकीय

मित्र विपक्ष बन गई कांग्रेस

उत्तराखण्ड का इतिहास रहा है कि जब भी कोई राजनीतिक दल विपक्ष में बैठता है तो वह आवाम की आवाज उठाने के लिए आगे नहीं बढता बल्कि अपने कामों को कराने के लिए वह मित्र विपक्ष का चोला पहनकर आवाम के सपनो कों तोडने के लिए हमेशा आगे ही खडा दिखाई देता है। उत्तराखण्ड में मौजूदा समय में सरकार के पास प्रचंड बहुमत है और विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय को हटाकर उनके स्थान पर प्रीतम सिह को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी है जिससे यह उम्मीद जग रही थी कि अब शायद सड़क से लेकर सदन तक कांग्रेस सरकार पर हमलावर रहेगी लेकिन बडी अजीब बात है कि कांग्रेस के विधायक आक्रामक मूड में आने के बजाए सरकार के साथ मित्र विपक्ष का रोल प्ले करने में लगे हैं जिससे सरकार द्वारा लिये गये गलत फैसलों के खिलाफकोई भी राजनीतिक दल आवाज उठाने वाला ही नहीं रह गया है जिससे आवाम को एक बडी पीढा है कि आखिरकार उनके हित की बात कौन करेगा। मित्र विपक्ष का रोल अदा कर रही कांग्रेस कहने को तो दम भर रही है कि वह विधानसभा सत्र में सरकार के साथ हमलावर के रूप में सामने आयेगी लेकिन जिस तरह से कांग्रेस आक्रामक मूड में नजर नहीं आ रही है उससे अब आवाम को विधानसभा सत्र को लेकर कोई उम्मीद नहीं रह गई है। प्रचंड बहुमत वाली भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में पानी के बाद अब जिस तरह से बिजली के दामों में बढोत्तरी की है उस पर जहां सरकार को घेरने के लिए मित्र विपक्ष को आगे आना चाहिए था वह आगे आती हुई दिखाई नहीं दे रही है और यही कारण है कि सरकार अपने हिसाब से काम करने में लगी हुई है। आम आदमी के मन में इस बात का रंझ है कि आखिरकार गरीबों को क्यों सरकार एक के बाद एक झटका देने में लगी हुई है। पानी-बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता के दामों में भी जिस तरह से मात्र सात माह की सरकार ने आवाम को झटका दिया है उसको लेकर जहां मित्र विपक्ष का रोल अदा कर रही कांग्रेस को सडक से लेकर सदन तक आक्रामक रूख अपनाना चाहिए था वहीं वह इन मुद्दों पर चुप्पी साधकर बैठ गई है जिससे साफ नजर आ रहा है कि मित्र विपक्ष सरकार के साथ पर्दे के पीछे रहकर कदम से कदम मिलाकर उनका साथ देने में लगी हुई है। ऐसे में राज्य के अन्दर मित्र विपक्ष की भूमिका कौन अदा करेगा यह भी सबसे बडा सवाल अब खडा होने लगा है। कांग्रेस के कुछ नेता सिर्फमीडिया के सामने ही सरकार को हुंकारने के लिए आगे आते हुए कभी-कभी दिखाई देते हैं जबकि धरातल पर वह सरकार के किसी भी जनविरोधी फैसले के खिलाफ सडक पर आन्दोलन करने के लिए आगे ही नहीं आना चाहती। 219 में लोकसभा के चुनाव होने हैं ऐसे में विपक्ष की भूमिका में खडी कांग्रेस को भाजपा सरकार के हर जनविरोधी फैसले के खिलाफआवाज उठानी चाहिए कि वह जनता के साथ हो रहे अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कुल से गैरसैंण में विधानसभा का सत्र शुरू होने जा रहा है और आवाम को अब इस बात की कोई आशा नहीं है कि कांग्रेस विधानसभा के अन्दर उनके मुद्दों को लेकर बवाल करने के लिए आगे आयेगी। भाजपा व कांग्रेस सदन के बाहर तो एक ही सिक्के के दो पहलु के रूप में नजर आ रहे हैं और यही कारण है कि सरकार के जो अनुचित फैसले आवाम के लिए हो रहे हैं उस पर कांग्रेस के सभी दिग्गज सडक पर तो कोई आन्दोलन करने के लिए आगे नहीं आ रहे बल्कि मीडिया से ही कई बार रूबरू होकर वह सरकार को सिर्फदिखावे के लिए कटघरे में खडा करने के लिए आगे आ जाते हैं। ऐसे में आवाम पांच साल तक कैसे कांग्रेस पर भरोसा करे यह एक बडा सवाल अब राज्य के अन्दर खडा हो गया है।

करीब आधी रात को गुजरात में दस्तक देगा चक्रवाती तूफान ओखी

अहमदाबाद। चक्रवाती तूफान ओखी गुजरात में सूरत के पास दक्षिणी तट के करीब पहुंच गया और करीब आधी रात के समय राज्य में इसके दस्तक देने की संभावना है। स्थानीय मौसम केंद्र की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक चक्रवात अब सूरत से महज 39० किलोमीटर दूर है ।मौसम केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि चक्रवात अब धीरे.धीरे गुजरात की तरफबढ़ रहा है और सूरत से महज 39० किलोमीटर अरब सागर में केंद्रित है। इसके उत्तर.उत्तरपश्चिमी दिशा की तरफबढ़ने की बहुत संभावना है। भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी ताजा बुलेटिन के मुताबिकए चक्रवात रात सूरत के पास तटरेखा तक पहुंचने की आशंका है।

बुलेटिन के मुताबिकए ष्ष्इसके उत्तर.उत्तरपश्चिम की तरफ बढ़नेए धीरे.धीरे कमजोर पड़ने और फिर पांच दिसंबर की रात गहरे दबाव के रूप में दक्षिण गुजरात एवं सूरत के पास महाराष्ट्र के तटों तक पहुंचने की बहुत अधिक संभावना है।ष्ष् मौसम विभाग ने ज्यादातर जगहों पर मध्यम बारिश का पूर्वानुमान किया है जबकि सौराष्ट्र एवं दक्षिण गुजरात में कुछ जगहों पर भारी बारिश होगी। विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिकए कई जिलों में आज सुबह से ही हल्की बारिश हुई। हालांकिए पूरे राज्य में बादल छाए हुए हैं।

मौसम केंद्र ने चेतावनी दी है कि जब चक्रवात गुजरात तट पर पहुंचेगा तो हवा की रफ्तार 5० एवं 6० किलोमीटर प्रति घंटे के बीच रहेगी और दक्षिण गुजरात में 7० किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। गुजरात के राजस्व विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार के मुताबिकए कम से कम नौ जिलों में आज सुबह से हल्की बारिश हुई है या फुहारें पड़ी हैं। कुमार ने बताया कि दक्षिणी गुजरात के धर्मारपुर में अधिकतम बारिश ;25 मिमीद्ध दर्ज की गई। बोटाडए अरवल्लीए छोटा उदयपुरए दाहोदए महिसागरए साबरकांठाए नवसारी और राजकोट जिलों में भी हल्की बारिश हुई। कुमार ने बताया कि गुजरात के मुख्य सचिव जे एन सिंह ने तटीय जिलों के कलक्टरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए होने वाली बैठक बुलाई है ताकि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उनकी तैयारियों की समीक्षा की जा सके।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

अल्मोड़ा। भारतीय संविधाव के निर्माता व भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के पुण्यतिथि(परिनिर्वाण दिवस) के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व उपाध्यक्ष राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य सलाहाकार एवं अनुश्रवण परिषद (राज्यमंत्री) व प्रदेश प्रव्क्ता उत्तराखड़ बिट्टू कर्नाटक जी के कार्यालय लोवर माल रोड कर्नाटक खोला अल्मोड़ा में स्व० डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली दी गयी । इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक ने कहा कि भारतीय संविधाव के निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर ने आजादी के बाद देश को एकसूत्र में पिरोकर एक नई ताकत के रूप में उभरनें का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे संविधान का निर्माण किया जो विश्व के लिए मिसाल बन गया।

डॉ भीमराव अंबेडकर जी को श्रद्धांजली देने एवं उनके योगदान के याद करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता अमित जोशी, जगदीश नगरकोटी, जिला महामंत्री अवनी अवस्थी, दिनेश तिवारी , गोपाल भट्ट, छात्रसंघ उपाध्यक्ष सोहित भट्ट, देबेन्द्र प्रसाद कर्नाटक,.ष्णासिंह रावत,राकेश सिंह बिष्ट, हेम चन्द्र जोशी,,गौरव काण्डपाल सुरेश बिष्ट, गौरव जोशी,ऐजाज खान, गोपाल मोहन भट्ट आदि उपस्थित रहे।

विनायक सर्जिकल सेन्टर
VINAYAK SURGICAL CENTRE
काली मन्दिर कॉलोनी के सामने, जी.एम.एस. रोड, देहरादून

डॉ मनीष आनन्द
MBBS DNB (General Surgery)
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
पित की थैली की पथरी, हर्निया, अपेंडिक्स, गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट बवासीर, हाइड्रोसील, बच्चेदानी की रसौली, स्तन का कैंसर आदि

डॉ.पी.के. सिंघल
MBBS. MD (Medicine)
फिजीशियन
श्वसन रोग (दमा व अलर्जी) हृदय रोग,
उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) मधुमेह (डायबिटीज)

दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
ENT :- नाक, कान, गले के हर तरह के ऑपरेशन की सुविधा
ECG, NEBULISATION, PATHOLOGY LAB (BLOOD TEST)
24 घंटे इमरजेंसी सेवा
फोन : 8439805474

कार्यालय पताः-
विंडलास शौपिंग काम्पलैक्स
(एमबैस्डर होटल)

शॉप नंः-38
नियर धारा चौकी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।

अनर्थ को टालते हैं धैर्य-चिंतन

आज जाने क्यों, हर आदमी बेचैन है, जीवन में निरंतर भाग-दौड़ के कारण उसे क्षणभर को भी कहीं चैन लेने की फुर्सत नहीं मिल पाती। भौतिक उपलब्धियों की लालसा में आदमी सब कुछ भूलकर निरंतर बस दौड़ रहा है। एक समय था, जब आदमी के पास हर बात को सोचने और समझाने का समय होता था, लेकिन आज तो जिसे भी देखो, यही कहता मिलेगा कि 'समय ही नहीं मिलता' और मज़ा तो यह है कि कोई-कोई तो कहता है 'यार, आज तो मरने की भी फुर्सत नहीं मिली।' यह स्थिति आखिर क्यों आई? क्यों हमारे जीवन में पलभर का चैन नहीं बचा है? क्यों हम आज कोल्हू के बैल बनकर निरंतर घूम रहे हैं? ऐसे सभी प्रश्नों का एक ही उत्तर है कि हमने अपने जीवन से 'धैर्य' और 'चिंतन' को निकाल दिया है। कोई कुछ भी कह दे, हमारे दिमाग में उबाल आ जाता है और परिणाम की चिंता किए बिना हम तुरंत ऐसा कर जाते हैं कि हमारा जीवन अनजाने ही कष्टों से घिर जाता है। अच्छे-भले यात्रा पर निकले, जरा दूर जाते ही किसी की गाड़ी से हमारी गाड़ी को खरोंच लग गई, तो बस, हम 'आप से बाहर' होकर आसमान सिर पर उठा लेते हैं और झगड़ा इतना बढ़ जाता है कि हमें चोट भी लग जाती है और पुलिस केस भी बन जाता है। यात्रा तो खटाई में पड़ ही गई, हमें शारीरिक और मानसिक के साथ ही आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। आज एक बड़ी ही प्रेरक बोधकथा पढ़ी तो मेरे अंतर्मन से तुरंत आवाज़ आई कि इस बोधकथा को अपने विद्वान साथियों से अवश्य बांटना चाहिए। बोधकथा इस प्रकार है-'गंगा के तट पर एक बड़े ही तपस्वी ऋषि अपनी पत्नी के साथ निवास करते थे। काफी बड़ी आयु हो जाने पर ऋषि-दंपति को प्रभु-कृपा से पुत्र-रत्न की प्राप्ति हुई। स्वाभाविक रूप से ऋषि और ऋषि-पत्नी अपने पुत्र से अत्यंत प्रेम करते थे। तपस्वी पिता की भांति ही पुत्र म ं भ ी

'त प और ज्ञान' के पूर्ण लक्षण दिखाई पड़ते थे।

उस मेधावी बालक में बाल्यकाल से ही 'गहन चिंतन' करने की आदत जन्म ले चुकी थी। उसके मन में अनेक प्रश्न उठते, परन्तु वह किसी से पूछता नहीं था, बल्कि स्वयं ही चिंतन करता रहता था। एक दिन ऋषि के लिए पानी लाने में ऋषि-पत्नी को कुछ विलम्ब हो गया, जिसे अपना अपमान मानकर ऋषि क्रोधित हो गए। उन्होंने पुत्र को बुलाकर 'मां का सिर काटने की आज्ञा दे दी' और स्वयं जंगल में चले गए। अचंभित बालक अपनी आदत के अनुसार चिंतन करने लगा-'क्या जन्म देने वाली ममतामयी मां का सिर काटना उचित है? अगर मैं मां का सिर नहीं काटता तो क्या पिता की आज्ञा के उल्लंघन का दोष नहीं लगेगा? ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?' बालक घोर चिंतन में डूब गया। उधर, जंगल में पहुंच कर ऋषि को भान हुआ कि उन्होंने तो अनर्थ कर दिया है और वे उलटे पैरों आश्रम की ओर दौड़े। वहां आकर जब पत्नी को जीवित देखा तो मन शांत हुआ। बालक ने कहा-'पिताजी, आपकी आज्ञा की अवहेलना के लिए मुझे क्षमा कीजिए, लेकिन मां को किसी भी स्थिति में नहीं मारा जा सकता। मैं दंड के लिए प्रस्तुत हूं।' ऋषि ने कहा-'पुत्र, तुम ठीक कहते हो। मैं क्रोध के आवेश में तुम्हे 'घोर पाप' करने की आज्ञा दे बैठा था, लेकिन तुम्हारे चिंतन और धैर्य ने आज मुझे हत्या के जघन्य अपराध से बचा लिया है।' इस बोधकथा से यही तो निष्कर्ष निकलता है कि आदमी को आवेश, क्रोध और जल्दबाजी के चक्रव्यूह में फंस कर भी 'धैर्य' और 'चिंतन' को नहीं छोड़ना चाहिए। कबीर ने तो डंके की चोट पर कहा है-'बिना बिचारे जो करे, सो पाछे पछिताए।' नीतिकारों ने भी यही कहा है-'अब पछताए होत क्या? जब चिड़िया चुग गई खेत।' मेरा अंतर्मन तो निरंतर यही कहता है कि 'गति जब तक हमारे नियंत्रण में रहती है, तब तक वह 'प्रगति' करती है और जिस दिन 'गति' हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाती है, वही दिन हमारी 'दुर्गति' के आरम्भ का दिन बन जाता है।' 'पश्चाताप' शब्द ही स्वयं में इस बात का प्रतीक है कि जब आदमी बिना विचारे कोई गलत निर्णय करता है तो उसे पछताना पड़ता है।

किस के आगे गुहार

गब्बर वापस आ गया जी! पर इस बार भगदड़ नहीं मची। लोग आराम से बैठे रहे। लूटना है तो लूट ले भैया। अब और कितना लेगा? हल्ला तो बेशक इस बार भी हुआ। बल्कि इस बार तो खुद सरकार ने हल्ला मचाया, सॉरी सरकार ने ऐलान किया। खूब धूम धड़ाके के साथ किया, गाजे-बाजे की तरह ही बाकायदा घंटा बजा कर किया। ऐसे किया जैसे दूसरी आजादी आ गयी हो। गब्बर और आजादी दोनों का आगमन जरा विरोधाभासी है, फिर भी सरकारी ऐलान तो इसी तरह से हुआ। पिछली बार गब्बर आया था तो इमरजेंसी थी। इस बार इमरजेंसी तो नहीं है, पर लोग कहते हैं कि इमरजेंसी जैसा माहौल जरूर है। बल्कि कुछ लोगों का यहां तक कहना है कि इमरजेंसी से भी मुश्किल हालात हैं। वह घोषित इमरजेंसी थी। यह अघोषित इमरजेंसी है। जो भी हो, पर साहब गब्बर वापस आ गया है। यह सुबह के भूले की तरह शाम को वापस आ जानेवाले की तरह वापस नहीं आया है। यह वैसे वापस

नहीं आया है, जैसे लौटे के बुद्धु घर को आता है। गब्बर आया है तो समझ लीलिए कि कुछ?लेने के लिए ही आया है। इस बार वह ज्वार, गेहूं, धान, बकरियां और मुर्गियां लेने नहीं आया है। वो तो वो पहले ही ले जा चुका है और अब अगर उसके आदमी कुछ मांगेंगे तो किसान कह देंगे-अब तो हुजूर यह जान बची है, चाहो तो ले लो। बल्कि किसान तो गब्बर नहीं आया था, तब भी जान दे रहा था और अब जब गब्बर वापस आ गया है तो निश्चित ही जान पर बन आएगी। पर इस बार गब्बर सिर्फ गांव से नहीं वसूलेगा। गांव तो पहले ही हलकान पड़ा है।

इस बार तो वह शहर को निशाने पर ले रहा है। वह सिर्फ हरिया, काशी, बसंती, इमाम साहब और ठाकुर को ही नहीं लूटेगा। इस बार तो वह शहर गांव सबको साधेगा। इस बार वह सिर्फ भोले देहातियों को ही नहीं निशाना बनाएगा, इस बार स्मार्ट शहरियों को भी साधेगा। इस बार लूट में कोई भेद नहीं होगा। इस बार वह घोड़ों पर सवार होकर नहीं आया है। इस बार उसने उगाही के लिए कोई चिट्ठी नहीं भेजी है। इस बार तो वह सरकारी फरमान के साथ आ रहा है। बाकायदा सरकारी हुक्म लेकर आ रहा है। इस बार वह खैनी रगड़ते हुए नहीं, बल्कि माथा रगड़ते हुए आया है। इस बार मैले-कुचैले कपड़ों में नहीं, चकाचक कुर्ते और बंडी में है। इस बार तो वह साक्षात सरकार के रूप में आया है। अब लगाओ किस के आगे गुहार लगाओगे।

प्रसंगवश : कब चेतेंगे हम

देश की राजधानी दिल्ली और उसके आसपास आसमान में दूर-दूर तक धूल और धुएं के बादल छाये रहे. लोग सांस लेने के लिए छटपटाते रहे. जिंदगी की लड़ाई से जूझते रहे. ऐहतियात के तौर पर छोटे बच्चों के स्कूल बंद करने पड़े. लोगों को इंतजार था कि इस बार पटाखों की बिक्री पर कानूनी रोक से दीवाली से होने वाला प्रदूषण कम होगा. थोड़ी-बहुत कमी जरूर हुई पर थोड़े दिनों बाद ही बाद मौसम का मिजाज फिर पुराने ढर्रे पर आ गया. पता चला कि किसान खेतों में अनाज के बचे-खुचे पौधों-पराली-को जला रहे हैं, और यह उसी से उपजे धुएं का असर है. पहले पराली को खेत में ही दबा दिया जाता था, और पानी पड़ने पर वह खाद बन जाती थी. अब फटाफट फसल लेने के चक्कर में फसल काट कर खेत में आग लगा देते हैं. इससे प्रदूषण होता है. पर्यावरण की इस भयावह होती परिस्थिति के और भी कारण हैं. मोटर-वाहनों से निकलने वाले धूएं की बड़ी भूमिका है. निरंतर फैल रही दिल्ली में आवागमन के लिए सार्वजनिक साधनों की अव्यवस्था से लोग निजी वाहनों का उपयोग करते हैं. फलस्वरूप दिल्ली महानगर में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है. सड़कों पर इनके चलने और खड़े होने के लिए जगह कम पड़ती जा रही है. इस कारण जाम लगता है. इन सबसे खूब धुआं निकलता है. प्रदूषण का दूसरा स्रोत भवनों, सड़कों आदि के सतत निर्माण कार्य से उपजने वाले धूल और गर्द से जुड़ा है. ऊपर से कूड़ा निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था भी नहीं बन पाई है. लोग जगह-जगह कूड़ा जला रहे हैं, जिससे प्रदूषण में इजाफा हो रहा है. पर्यावरण में भिनता-घुलता जहर जल, थल और आकाश हर कहीं फैल रहा है. धरती के नीचे का पानी, नदी का जल और वायुमंडल सब प्रदूषित होता जा रहा है. सभी लोग निरु पाय हो कर सिर्फ प्रकृति की कृपा की प्रतीक्षा करते हैं. इंतजार करते हैं कि वष्रा होगी, ठंड पड़ेगी, पेड़ के पत्ते धुलेंगे, ऑक्सीजन मिलेगी और कुछ राहत भी. स्वास्थ्य के रक्षा-कवच के रूप 'आरओ' का पानी पीते हैं, घर में 'एयर प्यूरीफायर' लगाते हैं, और भी न जाने क्या-क्या करते हैं सुरक्षित महसूस करने की कोशिश में. पर न तो यह समस्या का समाधान है, न सबके लिए संभव है और न व्यापक रूप से इसे लागू ही किया जा सकता है.

पर्यावरण-प्रदूषण की असह्य और दयनीय होती जा रही परिस्थिति के अनेक कारण हैं. ये कारण कहीं न कहीं हमारे अवांछित आचरण के ही परिणाम हैं. हम थोड़े-थोड़े क्षणिक लाभ के लिए प्रकृति को नष्ट करने और उसके संतुलन को बिगाड़ने का जुगाड़ लगा लेते हैं. हमने पर्यावरण को अपने से अलग मान लिया या खुद को उससे अलग कर लिया. गलतफहमी में मान लिया कि धरती, हवा और पानी तो हमारे लिए हैं ही. बहुतों को यह मुगालता भी बना रहा कि यह सब हमेशा के लिए है. प्रकृति की इस अनमोल सौगात का हमने विना विचारे अंधाधुंध दोहन शुरू किया. परिणाम यह भी हुआ कि गंगा और यमुना जैसी पवित्र प्राचीन और नदियां मैली और जहरीली होती गई. उनके जलस्रोत बंद होते गए. वे सूखती गई. उनके आसपास स्थित नगरों से निकलने वाले हर तरह के कूड़े-कचरे, मल-मूत्र आदि से वे इस तरह पटती चली गई कि मूल नदी का अस्तित्व ही तिरोहित हो चला. गंदे नालों में तब्दील हो चलीं. उनके उद्धार के लिए 'गंगा सफाई अभियान' जैसे भारी-भरकम प्रयास की जरूरत पड़ रही है, जिसके लिए हजारों करोड़ खर्च किए जा रहे हैं. अक्सर जब कोई समस्या उठती है, तो उसका हल ढूंढ़ने के बदले उसकी तार्किक और राजनीति की दृष्टि से व्याख्या शुरू हो जाती है. तकरे और कुतकरे के सहारे एक आख्यान बुना जाता है कि किस तरह जो है, वह वर्तमान नहीं, बल्कि इतिहास की गलतियों का परिणाम है. राजनेताओं की दृष्टि अपने को छोड़ दूसरे को दोषी ठहराने पर ही टिकी रहती है. समस्या अपना जीवन जीती है (या मर जाती है). गौरतलब है कि दिल्ली में आप पार्टी की सरकार ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने की सोची थी. पर्यावरण प्रदूषण के पिछले अनुभव थे पर इस साल भी परिस्थितियां पूर्ववत रहीं. दिन-प्रतिदिन यहां की आबोहवा बद से बदतर ही होती गई. यह भी पता चला कि पर्यावरण को सुरक्षित-संरक्षित करने के लिए जो धन एकत्र हुआ था, उसका उपयोग ही नहीं हुआ. पर्यावरण के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया बेहद खतरनाक है. जनहित में तो कदापि नहीं. पर्यावरण और प्रकृति की अपनी सीमाएं-शत्रे होती हैं, जिनकी परिधि में ही जिया जा सकता है. उनका आदर करना होगा. पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी।

ई-हैल्थ सेंटर की शुरूआत के लिय एमओयू

देहरादून।मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा उपचार को टेली मेडिसन के द्वारा पहुचांने हेतु ई-हैल्थ सेंटर की शुरूआत के लिये राज्य सरकार द्वारा देश की प्रमुख आई०टी० कम्पनी एच०पी० (हेवलेट पेकार्ड इन्टरप्राईस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड) के साथ एमओयू किया गया। अनुबंध के अनुसार एच०पी० कम्पनी उत्तराखण्ड के 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर टेली मेडिसिन सेवाएं प्रदान करेगी। कम्पनी द्वारा इन 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगभग 65 प्रकार के मेडिकल टेस्ट करवाने व तुरन्त रिजल्ट अपलोड करने के साथ ही प्रमुख व आवश्यक पैथोलॉजी उपकरण तथा आई०टी० उपकरण प्रदान किये जायेंगे। साथ ही एक-एक स्टूडियो भी स्थापित किया जायेगा। स्टूडियो में कम्पनी की ओर से स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद रहेंगे। इन ०4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आने वाले मरीजों को टेली मेडिसन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा सेवायें प्रदान की जायेगी। कम्पनी चयनित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात चिकित्सकों एव पैरामेडिकल स्टाफ को टैऊनिंग देगी ताकि इलैक्ट्रोनिक मेडिकल रिकार्डस का रख-रखाव एवं एवं सम्बधित उपकरणों के संचालन सुनिश्चित किया जा सके। टेली मेडिसिन सेवाओं से सम्बन्धित समस्त रिकार्ड कम्पनी द्वारा सम्बन्धित चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी को हस्तान्तरित किये जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा टेली मेडिसिन से सम्बन्धित चिकित्सालयों पर पेरा मेडिकल स्टाफ एवं नर्स आदि एवं टेली मेडिसिन स्टूडियो में चिकित्सक उपलब्ध करवाया जायेगा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा टेली मेडिसिन से सम्बन्धित चिकित्सालयों पर ब्रॉड बैंड सेवा की निरन्तरता को सुनिश्चित किया जायेगा। प्रायौगिक तौर पर एच०पी० कम्पनी (हेवलेट पेकार्ड इटरप्राईस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड) उक्त 4 सामुदायिक केन्द्रों पर यह सेवायें प्रदान करेगी एवं इसके सफ्ल परिणामों के आधार पर इसे विस्तारित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि कम्पनी द्वारा कार्पोरेट सोशियल रिसपोंसिबिलिटी के अर्न्तगत उत्तराखण्ड में टेली मेडिसन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा उपचार सेवाओं के संचालन हेतु यह पहल की गयी है। कम्पनी द्वारा इसके लिए वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली श्रीनगर मेडिकल कालेज में भी स्टूडियो स्थापित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में टेली मेडिसिन वरदान सिद्ध हो सकती है। राज्य सरकार पर्वतीय क्षेत्रों में टेली मेडिसिन सेवाओं का महत्व समझती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में पौड़ी तथा राज्य के 12 अस्पतालों में पीपीपी मोड पर टेली रेडियोलॉजी सुविधा का शुभारंभ किया गया। राज्य के 23 अन्य अस्पतालों में भी टेली रेडियोलॉजी सेवा शीघ्र ही प्रारम्भ कर दी जायेगीं। इस प्रकार टेली रेडियोलॉजी सुविधा अपनाने वाला उत्तराखण्ड पांचवा राज्य बन गया है। साथ आज के एमओयू द्वारा टेली मेडिसिन अपनाने वाला उत्तराखण्ड देश का 17वां राज्य बन चुका है। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर विशेष फोकस कर रही है। अब राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में भी लोगो को हर बीमारी का उपचार तय समय पर मिल सकेगा। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा तकनीकी के प्रयोग के साथ ही राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की कमी पूरी करने हेतु ठोस कदम उठाये जा रहे है। पूरे

देश से डाक्टरों को राज्य में सेवाएं देने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। भारतीय सेना समेत अन्य राज्यों से दो हजार से अधिक चिकित्सकों के आवेदन प्राप्त हुए है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के प्रति राज्य सरकार विशेषरूप से संवेदनशील है। सरकार द्वारा दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में डॉक्टर्स का स्थान्तरण किया गया है, जिसमें से ९० प्रतिशत चिकित्सकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम अपने दुर्गम पर्वतीय स्थानों पर भी सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स उपलब्ध करा सके। इस दिशा में टेली मेडिसन, टेली रेडियोलॉजी जैसी सुविधाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि टेली मेडिसिन जैसी सेवाओं के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी बहुत जरूरी है। हम कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष ध्यान दे रहे है। शीघ्र ही सीमान्त क्षेत्रों को आईआईटी मुम्बई के सहयोग से बैलून इन्टरनेट सेवाओं से जोड़ा जाएगा। उन्होंने इस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाये दूरस्थ पर्वतीय अचंलो के साथ ही यमुना वैली में भी इसकी विशेष जरूरत बताई।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ओम प्रकाश, सचिव नितेश कुमार झा, श्रीमती राधिका झा, स्वास्थ्य महानिदेशक डा० अर्चना श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के सलाहकार डा० नवीन बलूनी तथा हेवलेट पेकार्ड इन्टरप्राईस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी सुशील बाटला आदि उपस्थित थे।

ऊन की बनी स्वेटरों में होता है आपनों का प्यार

तनाव से मुक्त करती है बुनाई

कोटद्वार(अवनीश अग्निहोत्री)। एक समय हुआ करता था जब महिलाएं सर्दी शुरू होते ही स्वेटर बुनने लगती थीं। दोपहर में घर की छतों पर या आंगन में धूप सेंकते हुए एक-दूसरे से स्वेटर बनाने की नई डिजाइन सीखती थीं। हालांकि आजकल ये दृश्य शहरों से ही नही बल्कि ग्रामीण छेत्रो से भी लुप्त होता जा रहा हैं। इस बारे में जब हमने कोटद्वार के मशहूर और सबसे पुराने ऊन व्यापारी प्रीमियर स्टोर के मालिक सुनील वर्मा व आशू वर्मा से बात की तो उन्होंने बताया कि आज भी पहाड़ो पर कई महिलाएं हमारी दुकान से ऊन लेकर जाती है इससे पता चलता है कि पहाड़ में इसी लिए आज भी अपनो में प्यार होता है। आशू का कहना है अब तक स्वेटर से कई महिलाओं को रोजगार मिला है। महिलाये स्वेटर बून कर हमारी दुकान पर लाकर बेचती है जिसका उन्हें उचित मेहनताना मिलता है। आशू ने ये भी कहा की जो महिलाये रोजगार चाहती है उन्हें हम आज भी साल भर स्वेटर बनाने का काम देने को तैय्यार है, क्योंकि हमारी दुकान में हाथ की बनी स्वेटरों की सबसे ज्यादा डिमांड है। सुनील ने बताया कि आजकल लोग ऊन की स्वेटर कम बुनने लगे है इसका कारण कही तो लोगों की व्यस्तता है तो कही महिलाये इसे छोटा काम समझने लगी है। इस बदलते दौर में स्वेटर बुनने की यह कला तेजी से लुप्त होती जा रही है। लेकिन आज भी आप कितने बड़े ब्रांड का स्वेटर पहन लो फिर भी वो हाथ से बुने स्वेटर जितनी ठंड नहीं भगा पाते, और उससे बड़ी बात ये है कि हाथ के बने स्वेटरों में भावनाओं की गर्माहट और प्यार छलकता है। इसके साथ ही ये भी माना जाता है कि बुनाई कई शारीरिक व मानसिक समस्याओं व तनाव को भी दूर भगा देती है। आज भी कई लोग ऐसे है जो अपनी माँ और बहनों से दूर रहकर उनके हाथ की बुनी स्वेटरों को देखकर उन्हें समय-समय पर याद करते है। और हाथ की बनी स्वेटर को अपनो की याद समझकर संभालकर रखते है।

बुनाई दिमाग को रिलेक्स करने में मदद करती है। जिस तरह ध्यान केन्द्रित करने के लिए शांत वातावरण की जरूरत होती है वैसे ही नई डिजाइन तैयार करने के लिए ध्यान केन्द्रित करना पड़ता है। यदि आप शौकिया तौर पर ही कुछ समय के लिए बुनाई करती हैं तो आपको उससे कई लाभ होंगे। बुनाई करने से उंगलियां व हाथ क्रियाशील रहते हैं और यदि आप गठिया की मरीज हैं तो बुनाई आपके लिए और भी फायदेमंद साबित होती हैं। और इसका एक फायदा ये भी है कि एक सामान्य शरीर से पतले, मोटे और ज्यादा लंबे या छोटे लोगो के लिए भले ही बड़ी-बड़ी कंपनियां इनकी लम्बाई-चौड़ाई के हिसाब से स्वेटर न बनाये पर अपने घर की माताएं-बहने अपनो के शरीर के हिसाब से इसे बना लेती है। क्योकि उनके लिए आप अपने हो और कंपनी के लिए सिर्फ ग्राहक।

निकाय चुनाव को प्रचार पदयात्रा का आगाज

देहरादून। आदमी पार्टी के नगर निगम चुनाव लड़ने के मद्देनजर चुनाव 'प्रचार अभियान' का श्रीगणेश करते हुये आम आदमी पार्टी की प्रथम 'प्रचार पदयात्रा' राजपुर रोड विधानसभा के नगर निगम अंतर्गत वार्ड नं. 2० (खुड़बुडा) में राजपुर रोड विधानसभा प्रभारी सरिता गिरी व वार्ड अध्यक्षा रेखा के नेतृत्व में आयोजित की गयी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी राकेश कुमार सिन्हा द्वारा उत्तराखंड में स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की विधिवत सैद्धान्तिक घोषणा की जा चुकी है, जिसके बाद से ही प्रदेश व राजधानी में आम आदमी पार्टी की राजनैतिक सरगर्मियाँ तेजी से बढ़ रही हैं. इन्हीं सरगर्मियों को आगे बढ़ाते हुये आम आदमी पार्टी द्वारा प्रत्येक वार्ड में 'प्रचार पदयात्रा' आयोजित करने की रणनीति बनायी गई है, जिसमें स्थानीय क्षेत्रवासियों से सकारात्मक संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के संबंध में बातचीत कर समाधान निकाला जायेगा।

खुड़बुडा वार्ड पदयात्रा करते हुये क्षेत्रवासियों द्वारा गंदे नाले व सफाई व्यवस्था की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि गंदे नाले के समतलीकरण में निर्माण मानकों व सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है. नाले के समतलीकरण का कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है। बरसात के मौसम में मलिन बस्ती में पानी भरने की पूरी संभावना है। सीवर लाईनों में रिसाव के कारण घरों में दूषित पानी आ रहा है। क्षेत्रवासियों ने वार्ड में सफाई व्यवस्था के प्रति भी असंतोष जताया व वर्तमान जनप्रतिनिधि पार्षद व विधायक की निष्क्रियता के प्रति रोष प्रकट करते हुये आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन देने का विश्वास दिया।

इस अवसर पर बोलते हुये महानगर अध्यक्ष विशाल चौधरी ने कहा कि नगर निगम में काँग्रेस व भाजपा द्वारा बारी-बारी से शासन करने के बाद भी विकास से कोसों दूर वार्डों की बदहाल स्थिति जस-की-तस है. विकास के लिये आया बजट कमीशनखोरी की भेंट चढ़ रहा है. स्थानीय पार्षद-विधायक जनता की समस्याओं से मुँह छुपा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की झाड़ू नगर निगम से काँग्रेस और भाजपा के कुशासन व भ्रष्टाचार की सफाई करेगी। पदयात्रा में जिलाध्यक्षा उमा सिसौदिया, महानगर अध्यक्ष विशाल चौधरी, विपिन खन्ना, विनोद बजाज, अशोक सेमवाल, विनय राणा, सुधीर पन्त, शीतल चौहान, राजेन्द्र सिंह, रीना गोस्वामी, गीता ठाकुर, डी.बी.भट्ट, खालिद सहित अनेक कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पर सीएम ने किया जिंगल वीडियो का भी लोकार्पण

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर होमगार्ड के जवानों व नागरिक सुरक्षा के स्वंय सेवकों को शुभकामनायें दी। उन्होने 17 अधिकारियों को उनके द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने इस अवसर पर आयोजित रैतिक परेड की सलामी ली तथा होमगार्ड मुख्यालय के विस्तारित भवन का भी लोकार्पण किया। तपोवन रोड, ननूरखेड़ा स्थित होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने सेवा के दौरान मृतक दो होमगार्ड जवानों, उधम सिंह नगर निवासी स्व० सुरेन्द्र कुमार तथा पौड़ी निवासी स्व० भवानी प्रसाद की पत्नियों को 5-5 लाख की धनराशि के चेक भी प्रदान किये। उन्होने इस अवसर पर होमगार्ड व नागरिक सुरक्षा की स्मारिका तथा जिंगल वीडियो का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य देश में सबसे सुरक्षित राज्यो में दूसरे स्थान पर आ गया है। यह हमारी सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, पुलिस व सुरक्षा बलों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, इसमें सुरक्षा से जुडे संगठनों का बडा योगदान है। इस दिशा में हम देश में पहले नम्बर पर आये इसके लिये सभी को समेकित प्रयास व भागीदारी निभानी होगी, इसके लिये हमारी प्रकृति भी हमारा सहायोग करती है। उन्होने कहा कि राज्य की आन्तरिक सुरक्षा के साथ ही आपदा राहत, स्वच्छता मिशन, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा व सामाजिक सुरक्षा से सम्बंधित विभिन्न अवसरों पर होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाता रहा है। उन्होने कहा कि जवानों को शारिरिक दक्षता के प्रति भी विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि शरीर स्वस्थ होने से मन व बुद्धि भी स्वस्थ रहती है। वर्दी के साथ अनुशासित रहकर आदेशों के अनुपालन की जिम्मेदारी रहती है। प्राकृतिक दृष्टि से हमारा राज्य आपदा प्रभावित रहता है। हिमालय की नाजुकता से केदारनाथ जैसी आपदाओं का हमें सामना करना पडता है। ऐसे में होमगार्ड जैसे संगठनों का बड़ा योगदान रहता है। उन्होने कहा कि रैतिक परेड़ में जवानों के कदम से कदम ही नहीं मिलते उनके दिल भी मिलते हैं, इससे साथ चलने की भी प्रेरणा मिलती है।

उन्होने कहा कि हाल ही में सम्पन्न हुए हिमाचल विधानसभा चुनावों में राज्य के एक हजार होमगार्डो की सेवा ली गई, इससे चुनाव आयोग का विश्वास हम पर बना। उन्होने कहा कि इन संगठनों की मजबूती के लिये राज्य सरकार द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर कमाण्डेंट जनरल होमगार्ड एवं निदेशक नागरिक सुरक्षा आर०एस०मीणा ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होने बताया कि प्रदेश में 6411 पुरूष व महिला होमगार्ड के जवान कार्यरत है। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष आई.एस.बिन्द्रा, विधायक उमेश शर्मा 'काऊ', कुंवर प्रणव सिंह ''चौम्पियन'' सहित पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अमिताभ ने बढ़ाया प्रदेश का मान, गृह मंत्रालय ने दिया सम्मान

अपने कार्य के प्रति सदा सजक रहने वाले अमिताभ श्रीवास्तव ने आज प्रदेश का मान बढ़ाने का काम किया, उनको गृह मंत्रालय ने भी सम्मान दिया। बताते चले कि होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के मौके पर महानिदेशक नागरिक सुरक्षा एवं होमगाड्र्स, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिष्ठित ''प्रशंशा-पत्र एवं डिस्क'' (Commendation Certificate & Disc)अमिताभ श्रीवास्तव, प्रभारी डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल, होमगाड्र्स, उत्तराखण्ड, देहरादून/वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून को प्रदान किया गया है। इनके अतिरिक्त एकता उनियाल सहायक उपमहासमादेष्टा तथा सतीश अग्रवाल मुख्य वार्डन को भी उक्त पुरूस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गयी है।

बाबा साहब जीवन प्रतन्य सामाजिक आसमानता के लिये संघर्षरत रहे:चौहान

देहरादून। महानगर कांग्रेस द्वारा आयोजित विचार गोष्टी में बोलते हुये महानगर कांग्रेस अध्यकध पृथ्वीराज चौहान ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक विषमता के लिए संघर्ष रत थे।आज उन्ही के विचारों का प्रतिफल्न है कि संविधान में ऐसी व्यवस्था है कि सामाजिक आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी देश की मुख्य धारा में शामिल हो सकता है। बाबा साहब द्वारा संविधान निर्माण में ऐसी व्यवस्था की गई है किअभिव्यक्ति की आजादी मूलरूप से मिल सके इसी वजह से भारत का संविधान विश्व भर में सर्वोपरि है। उन्होंने कहा की बाबा साहब ने सामाजिक रूप से कमजोर व्यक्ति अच्छे पदों पर रहकर देश की सेवा कर रहे है। इस अवसर पर व्यापार प्रकोष्ट के अध्यक्ष पंकज मेसोन,महानगर महासचिव महेश जोशी,संजय शर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश चौहान,दीप शर्मा, बिजय गुप्ता,निहाल सिंह,चन्दन,अनूप पासी,आदर्श आदि उपस्थित थे।

छात्र के ऐडमिशन के मामले ने जबरदस्त तूल पकड़ा

छात्र के पिता के आंदोलन मे भाजपा के स्वर्गाश्रम मंडल ने भी की सर्मथन की घोषणा

ऋषिकेश। एक पिता द्वारा अपने बेटे के भविष्य के लिए स्कूल प्रशासन के खिलाफ चलाया जा रहा आंदोलन तूल पकड़ने लगा है।भाजपा के स्वर्गाश्रम मण्डल ने भी स्कूल के बाहर चल रहे क्रमिक अनशन मे सर्मथन की घोषणा कर दी।उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से लक्ष्मण झूला मार्ग स्थित ओमकारानंद स्कूल मे एक बच्चे के ऐडमिशन के मामले ने तूल पकड़ रखा है।57 प्रतिशत अंकों के साथ हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र गौतम वर्मा को स्कूल प्रबंध तंत्र द्वारा कक्षा 11 के कॉमस विभाग मे ऐडमिशन नही दिए जाने से गुस्साए छात्र के पिता ने उमा शंकर ने स्कूल के बाहर ही कुछ दिनों से धरना दे रखा है।उनका आरोप है कि पिछले तीन माह से ऐडमिशन के नाम पर लटकाए रखने के बाद स्कूल प्रबंधन द्वारा अब साफ तौर पर उनके बच्चे को ऐडमिशन के लिए मना कर दिया गया है,जिससे उनके बेटे के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।उन्होंने कहा कि यदि स्कूल प्रबंधन द्वारा हठधर्मिता छोड़कर उनके बेटे को ऐडमिशन नही दिया गया तो वह आमरण अनशन करने से भी पीछे नही हटेंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की होगी।क्रमिक धरना देने वालोभरत लाल ,मनोज राजपूत, अशोक अग्रवाल, नवीन राणा ,सुनील शर्मा, बृजेश चतुर्वेदी ,गुरुपाल बत्रा ,विनोद चौहान, प्रदीप शर्मा, जय प्रकाश कोठारी ,शुभम बेलवाल ,आशीष कुकरेती, राजन बिष्ट ,कुबेर नगर ,विकास शर्मा आदि शामिल थे।

फ्यूचर सप्लाई चेन ने एंकर निवेशकों से 195 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली। फ्यूचर ग्रुप की लॉजिस्टिक्स कंपनी फ्यूचर सप्लाई चेन साल्यूशंस ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम ;आईपीओद्ध से पहले 195 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी का आईपीओ खुल रहा है। कंपनी की आईपीओ समिति ने 16 एंकर निवेशकों को 664 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 29ण्35 लाख इक्विटी शेयर जारी किए हैं। ये शेयर मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर जारी किए हैंइस हिसाब से एंकर निवेशकों से 194ण्9 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। एंकर निवेशकों में एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनीए रिलायंस कैपिटल ट्रस्टी कंपनीए एलएंडटी म्यूचुअल फंड और आईडीएफसी म्यूचुअल फंड शामिल हैं। कंपनी का आईपीओ छह दिसंबर को खुलकर आठ दिसंबर को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 66 से 664 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
बुधवार, 06 दिसम्बर 2017

पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ रहे

शराब के प्रचलन पर मेजर चिंतित

भारतीय सेना व सशस्त्र सेना एक बडे परिवार की तरह हमेशा देश की सेवा करते है

कपिल मल्होत्रा

अल्मोड़ा। देश सेवा के लिये अनुशासित रहकर काम करना ही सेना की प्राथमिकता है यह बात मेजर जनरल सेना मैडल कविन्द्र सिंह ने आज आर्मी मैदान में आयोजित एक विशाल भूतपूर्व सैनिकों की रैली को सम्बोधित करते हुये कही। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना व सशस्त्र सेना एक बडे परिवार की तरह हमेशा देश की सेवा करते है और जीवन भर वह सेना के सदस्य बने रहते है। उन्होंने कहा कि हमें अपने कर्तव्यों का निर्वाहन बडे जिम्मेदारी के साथ करना होगा। मेजर जनरल ने कहा कि वर्ष 2015 में यहां पर रैली का आयोजन किया गया था उसके बाद 13 सिक्ख रेजीमेंट द्वारा इस बार इसका आयोजन किया जा रहा है। अपने सम्बोधन में उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आप लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना होगा साथ ही अपने आदतों में नियंत्रण रखना होगा।

मेजर जनरल ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ रहे शराब के प्रचलन पर चिन्ता जताते हुये कहा कि इसका प्रभाव हमारी युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है इसके लिये हमें सजग रहना होगा इसके साथ ही उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से कहा कि वे अपने पेंशन सम्बन्धी पत्रजातों का रख-रखाव सही ढ़ग से करे और सेवा निवृत्त के समय जो पार्ट-टू आर्डर उन्हें मिलता है उसमें अपने परिवार के सदस्यों का अंकन अनिवार्य रूप से करा लें इसके न होने पर कठिनाई होती है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा का जहां एक ओर स्वतंत्रता आन्दोलन में विशेष योगदान रहा है वही यहां के लोगों का सेना में विशेष योगदान रहा है। उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि आज यहां पर विशाल शिविर लगाया गया है इसमें पेंशन सम्बन्धी मामलों के निस्तारण के साथ ही अन्य जो परेशानियॉ भूतपूर्व सैनिकों व उनकी वीरागनाओं के है उसे दूर किया जायेगा। इस अवसर पर मेजर जनरल ने कहा कि हमारी सेना को जो प्रशिक्षण दिया जाता है उसका लाभ सेना के प्रशिक्षणार्थी उठाकर देश सेवा में अपना योगदान देते है। उन्होंने पलायन पर भी चिन्ता जतायी और विवेकानन्द कृषि अनुसंधान संस्थान व पं० गोविन्द बल्लभ पंत पर्यावरण संस्थान द्वारा पिरूल से सद्प्रयोग हेतु किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने वहां पर मेडिकल कैम्प, सहायता कैम्प, एस०एस०बी०, पुलिस, उद्यान, बैंक, कृषि सहित अन्य विभागों द्वारा दिये जा रहे सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त किया। मेजर जनरल ने जिलाधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी० रेणुका देवी एवं उनके सहयोगियों द्वारा दिये गये सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त किया। मेजर जनरल ने आर्मी मैदान में वृक्षारोपण भी किया और इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भी पौधारोपण किया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों व उनकी वीरांगनाओं के साथ बडे आत्मीता से बात कि और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

इस शिविर में उन्होंने सेना के ०4 भूतपूर्व सैनिक को जो सेवा के दौरान अपने अंगो को खो चुके थे उन्हें स्कूटर तथा 11 भूतपूर्व सैनिक व सैन्य अधिकारियों एवं मृतक सैनिकों की वीरागनाओं को ०5-०5 हजार रूपये के चौक वितरित किये साथ ही ०5 हजार रूपये का चौक आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चों को भी दिया। आज जिन लोगों को स्कूटर दिया उनमें हवलदार नारायण सिंह ०3 कुमाऊं, मेहरबान सिंह 2० कुमाऊ, लेस नायक खड़क सिंह मेहता एवं दीवान सिंह सम्मिलित है इसी तरह कर्नल जयंत थापा और आडनरी कैप्टन केसर सिंह, हवलदार अमर सिंह, दरबान सिंह, वीरांगना शान्ति देवी, जमुना मैनाली, मोतीमा देवी, पुष्पा देवी, रमा भण्डारी, जमन सिंह, हीरा सिंह, किशन सिंह प्रमुख है। इससे पूर्व सेना के जवानों ने भागड़ा नृत्य सहित अन्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी इवा आशीष, ब्रिगेडियर किशोर जोशी, कर्नल जे०सी० लोहनी, सैनिक कल्याण अधिकारी आ०पी० जोशी, सी०ओ० हर्ष मिश्रा, रानीखेत कुमाऊ रेंजीमेट के उच्चाधिकारी, एस०एस०बी० के उप कमाडेंड गिरीश चन्द्र पाण्डे, मेजर एस० राठी, मेजर अखलेश राठौर, भूतपूर्व सैनिक अध्यक्ष पी०जी० गोस्वामी सहित अन्य सेना के अधिकारी व जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मेजर अरूण बलोरिया ने किया।

राज्यपाल डॉ. के.के.पाल ने राजभवन में ट्यूलिप रोपे

देहरादून। राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने राजभवन के गार्डन एरिया में ट्यूलिप के बल्ब रोपित किए। राज्यपाल ने कहा कि ट्यूलिप के फूल विश्व के सबसे मँहगे व आकर्षक फूलों में माने जाते हैं। ट्यूलिप ठण्डे और पर्वतीय क्षेत्रों के अनुकूल वातावरण में ही लगाया जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में 'ट्यूलिप' के फूलों की बहुत अधिक माँग है। इसकी व्यावसायिक खेती उत्तराखण्ड के लिये लाभदायक सिद्ध हो सकती है।'ट्यूलिप' फूल की उत्तराखण्ड के पहाड़ी इलाकों में व्यावसायिक खेती की संभावनायें तलाशने की दृष्टि से ही राज्यपाल ने प्रायोगिक तौर पर राजभवन में दो वर्ष पूर्व ट्यूलिप लगवाना प्रारम्भ करवाया था। राजभवन में उद्यान अधिकारी श्री दीपक पुरोहित ने बताया कि वर्ष 2015 में ट्यूलिप के 1०० बल्ब व वर्ष 2016 में 2०० बल्ब लगवाए गए थे। दोनों ही बार अच्छा परिणाम देखने को मिला था। इस वर्ष श्री राज्यपाल के निर्देश पर ट्यूलिप के तीन प्रजातियों के कुल 5०० बल्ब लगाए गए हैं। आशा है कि लगभग 45-5० दिनों में इनमें फूल खिल जाएंगे। राजभवन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली पुष्प प्रदर्शनी के लिये यह एक आकर्षण होगा। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल श्री रविनाथ रमन, चीफ हॉर्टीकल्चर श्री संजय श्रीवास्तव सहित राजभवन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक राजेश शर्मा द्वारा इंटर ग्राफिक प्रिंटर्स, 64-नेशविला रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित, 142 श्रीदेव सुमन नगर बल्लूपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक : राजेश शर्मा मो.- 9897598151, **प्रबंध सम्पादक :** अभिषेक शाही मो.- 9897865003 कानूनी सलाहकार: प्रकाश टी पाल **E-mail ID:** crimestory.dial100@gmail.com नोट: समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे।